लखनऊ को पांच जिलों से जोड़ेगा 250 किमी लंबा विज्ञान पथ

विज्ञान पथ से राजधानी को वैश्विक शहर बनाने की तैयारी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की परिकल्पना साकार करेगा यह पथ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : सरकार लखनऊ को उसके आसपास के पांच जिलों से जोड़ने के लिए छह लेन चौड़े और 250 किलोमीटर लंबे विज्ञान पथ का निर्माण करने की तैयारी कर रही है। विज्ञान पथ के जरिये प्रदेश की राजधानी को इसके उत्तर में हरदोई और सीतापुर, पूर्व में बाराबंकी, दक्षिण में रायबरेली और पश्चिम में उन्नाव जिले से जोड़ते हुए विकास को रफ्तार देने का प्रस्ताव है। विज्ञान पथ की परिकल्पना भी मुख्य रूप से लखनऊ और उसके आसपास के जिलों को जोड़कर राज्य राजधानी परिक्षेत्र (एससीआर) के तहत विकसित करने के उद्देश्य से की जा रही है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के मूल में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का मंत्र 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' है, जिसे सड़कों के माध्यम से साकार कर सरकार लखनऊ को वैश्विक शहर के तौर पर विकसित करना चाहती है। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने मई 1998 में पोखरण में हुए परमाणु

- सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी, रायबरेली और उन्नाव से जोड़ेगी छह लेन सड़क
- उद्योगों की स्थापना को रफ्तार देने के लिए विकसित किए जाएंगे 20 नोड

विस्फोट के अवसर पर 'जय जवान, जय किसान' के नारे में 'जय विज्ञान' जोड़ा था। प्रधानमंत्री और लखनऊ का सांसद रहते हुए उन्होंने लखनऊ को फैजाबाद रोड से कानपुर रोड तक 23 किलोमीटर लंबे शहीदपथ का उपहार दिया था जो कि बलिदानी जवानों को समर्पित था। इसके बाद लखनऊ के चारों ओर अन्नदाताओं को समर्पित 104 किलोमीटर लंबा किसान पथ बना। योगी सरकार अब इसी कड़ी में विज्ञान पथ का निर्माण करना चाहती है।

इस परिकल्पना के तहत किसान पथ से लेकर प्रस्तावित विज्ञान पथ के बीच के क्षेत्र को 20 इंटरलाकिंग रोड का निर्माण कराके 20 हिस्सों में बांटा जाएगा। इन हिस्सों में 20 अलग-अलग नोड विकसित किए जाएंगे। यहां वर्तमान और भविष्य को ध्यान में रखते हुए सामाजिक, आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाले क्षेत्र वर्गाकार हब के रूप में विकसित किये जाएंगे।

इनके माध्यम से लखनऊ और आसपास के जिलों को इंडस्ट्रियल हब के रूप में सुनियोजित तरीके से विकसित करने का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। वहीं सनराइज क्षेत्रों से संबंधित उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग इकाइयां स्थापित करने के रोडमैप को भी व्यावहारिक रूप प्रदान कर पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को गति देने का प्रयास होगा। सरकार इस परियोजना के जरिये भी प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर का आकार देने की दिशा में कदम बढ़ाएगी।

फिलहाल यह परिकल्पना वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और मुख्यमंत्री के प्रशासनिक सलाहकार अवनीश अवस्थी के सामने प्रस्तुत की जा चुकी है। जाने माने लेखक और राजनीतिक विश्लेषक डा.शीलवंत सिंह ने विज्ञान पथ की परिकल्पना को हाल ही में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'योगी सरकार-वन ट्रिलियन डालर इकोनामी' में विस्तार से परिभाषित भी किया है। माना जा रहा है कि योगी सरकार जल्द ही इसको मूर्तरूप देने के लिए अहम कदम उठा सकती है।

इन 20 नोड को विकसित करने की योजना

किसान पथ और परिकल्पित विज्ञान पथ के बीच जिन 20 नोड को विकसित करने का प्रस्ताव है, उनमें कृषि आधारित उद्योग व खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद तथा कृषि उपकरण उत्पाद केंद्र, विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं और चिकित्सीय उपकरण उद्योग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उत्पाद उद्योग, लखनऊ के लघु कुटीर व हस्तशिल्प उत्पाद उद्योग तथा व्यापार विपणन केंद्र, इलेक्ट्रानिक व उपकरण निर्माण उद्योग केंद्र, एडवांस केमिस्ट्री सेल, सोलर बैटरी व सोलर पैनल केंद्र, साफ्टवेयर टेक्नोलाजी पार्क, विश्वस्तरीय शैक्षणिक संस्थान व प्रशिक्षण अनुसंधान केंद्र, जीआइ टैग उत्पाद और उनके विपणन, प्रबंधन व संवर्धन केंद्र, एक जिला एक उत्पाद योजना के उत्पाद तथा उनके विपणन, प्रबंधन व संवर्धन केंद्र, वाइट गुड्स (टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, एलईडी बल्ब और कंप्यूटर) निर्माण केंद्र, विश्वस्तरीय पर्यावरण अनुकूल आवासीय परिसर की स्थापना, पर्यावरण अनुकूल विश्वस्तरीय कारपोरेट कार्यालय परिसर, प्रदेश की प्रशासनिक, कानूनी, नागरिक व राजनीतिक व्यवस्था के लिए आधुनिक केंद्रों की स्थापना, विज्ञान एवं तकनीकी विकास, संवर्धन, प्रबंधन, प्रशिक्षण अनुसंधान और विकास केंद्रों की स्थापना, आटोमोबाइल इंडस्ट्री विपणन संवर्धन केंद्र की स्थापना, वैश्विक परिवहन आधारित उद्योग व्यापार केंद्र, आपदा प्रबंधन अनुसंधान विकास और प्रशिक्षण केंद्र तथा विद्युत उपकरण निर्माण इकाइयां व ऊर्जा संवर्धन उत्पादन प्रतिष्ठान की स्थापना मुख्य रूप से शामिल हैं।